# बाबोसा आयो पाँवणा भजन लिरिक्स

अ र र र र र अ र र,
बाबोसा आयो पाँवणा,
आयो रे आयो रे सजाऊँ,
घर आँगणा,
हो.. बाबोसा आयो आँगणा।bd।

तर्ज – अ र र आयो म्हारो ढोलना।

---

म्हारा मनडे रो नाचे मोर,
बाबोसा आयो रे,
गूंजे चहुँ ओर जयकारे,
जय बाबोसा सभी पुकारे,
रुत आई है मतवारी,
बाबोसा घर है पधारे हाँ रे,
म्हारे म्हारे म्हारे,
खुशियों छाई है द्वारे,
ढोली जमके ढोल बजा रे,
हो..बाबोसा आयो आँगणा।bd।

---

देखो अवसर है ये मन भावन,
मेरा धन्य जीवन हो गया है,
जिनके सपने में रोज ही देखु,
आज सपना वो सच हो गया है,
हो.. बाबोसा हो,
हुआ जबसे दीदार,
हुआ जबसे दीदार,
प्यारे बाबोसा का,
हुआ जबसे दीदार,
अरे प्यार प्यार प्यार,
मिला बाबोसा का प्यार,
दिया बाबोसा ने मेरा,
जीवन संवार,
हो.. बाबोसा आयो आँगणा।bd।

---

अ र र र र र अ र र,
बाबोसा आयो पाँवणा,
आयो रे आयो रे सजाऊँ,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

घर आँगणा,
हो.. बाबोसा आयो आँगणा।bd।

गायिका – कविता राजवंश, मुम्बई।
लेखक – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।
नागदा जक्शन म.प्र. 9907023365

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com